

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं  उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 61 RNI/CHHBIL/44259 |छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

राहत एवं बचाव कार्यों के लिए दिल्ली सरकार ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल गठित करने का फैसला किया 1100 जवान होंगे तैनात

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार आपदा के दौरान राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाने के लिए अपना राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) गठित करेगी जिसमें करीब 1100 जवानों को शामिल किया जाएगा। एक आधिकारिक बयान में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक इस संबंध में फैसला राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के साथ हुई उच्चस्तरीय बैठक में किया गया। बयान में कहा गया है कि रेखा गुप्ता की अगुवाई वाली सरकार ने प्राकृतिक और मानवीय आपदाओं से प्रभावी ढंग से निपटने की क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में दिल्ली में राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) का गठन करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, फ़दिल्ली में अपनी एसडीआरएफका गठन लंबे समय से अपेक्षित था। देश के अधिकतर राज्यों में एसडीआरएफका गठन हो चुका है। राजधानी दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले महानगर में भी अपनी एसडीआरएफका होना समय की जरूरत है।फ़ बयान के मुताबिक, एसडीआरएफगठन के बाद आपदा की स्थिति में प्रशिक्षित और विशेषज्ञ बल को घटनास्थल पर शीघ्र पहुंचाने, राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से



संचालित करने तथा जान-माल के नुकसान को कम करने में सहायता मिलेगी। बयान में कहा गया है कि एसडीआरएफ के गठन के साथ ही दिल्ली सरकार अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों और नागरिक सुरक्षा स्वयंसेवकों को भी विशेष प्रशिक्षण दिलाएगी ताकि आपदा की स्थिति में उपलब्ध स्थानीय मानव संसाधन आवश्यक कौशल और बेहतर समन्वय के साथ राहत एवं बचाव कार्यों में योगदान दे सकें। इसमें कहा गया है कि

एसडीआरएफ में 1100 जवानों को शामिल किया जाएगा।

एसडीआरएफगठित करने का फैसला ऐसे वक्त हुआ है जब कुछ दिन पहले ही दिल्ली विश्वविद्यालय के दक्षिण परिसर के पास सत्य निकेतन में पांच मंजिला पीजी इमारत ढहने से सात लोगों की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में अवंसरचना का तेजी से विस्तार हो रहा है और आबादी भी लगातार बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे में प्राकृतिक या मानवीय आपदा की स्थिति में गंभीर क्षति की आशंका को देखते हुए पहले से मजबूत तैयारी और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि वे आपदा प्रबंधन से जुड़े उपकरणों की सूची व उनके भंडारण की जानकारी संबंधित विभागों को साझा करें ताकि दुर्घटना या आपदा के समय उन्हें तुरंत उपलब्ध कराया जा सके। बयान के मुताबिक, प्रस्तावित एसडीआरएफ के जवानों को आवश्यक प्रशिक्षण एनडीआरएफ उपलब्ध करायी और दिल्ली की भौगोलिक स्थिति और स्थानीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष उपकरण आदि में भी एनडीआरएफसहायता करेगी।

सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने धमकी दी की केंद्र लद्दाख पर भरोसा नहीं देती तो 19 सितंबर से शुरू होगा Protes

लद्दाख। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक ने गुरुवार को धमकी दी कि अगर केंद्र सरकार एक हफ्ते के अंदर लद्दाख से जुड़े मुद्दों पर उन्हें कोई भरोसा नहीं देती है, तो वे 19 से 24 सितंबर तक एक नया आंदोलन शुरू करेंगे। यह बात तब सामने आई जब लद्दाख के समूहों ने गृह मंत्रालय (MHA) की एक सब-कमेटी के साथ बैठक के बाद निराशा जाहिर की। दिल्ली में एक मीडिया ब्रीफिंग में उन्होंने कहा हम बेबस हैं। हमें लग रहा था कि विरोध प्रदर्शन या पदयात्रा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी, लेकिन... हमें कोई भरोसा नहीं मिला है। अगर हमें भरोसा नहीं मिला, तो हम बड़ा आंदोलन शुरू करने के लिए मजबूर होंगे। अब पदयात्रा 19 से 24 सितंबर तक होगी। हालांकि, हमें अभी भी उम्मीद है कि एक हफ्ते के अंदर हमें भरोसा मिल जाएगा। लैब एपेक्स लैब (LAB) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (KDA) के सदस्यों ने बुधवार को रू। अधिकारियों के



साथ बैठक की। इसमें केंद्र शासित प्रदेश (UT) के लिए राज्य का दर्जा और संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा की मांगों पर चर्चा हुई। हालांकि, इन समूहों को निराशा हाथ लगी, जबकि केंद्रीय गृह मंत्रालय का कहना था कि बैठक सकारात्मक रही। इन समूहों के मुताबिक, सरकार की ओर से लद्दाख के लिए प्रस्तावित चुनी हुई संस्था का कोई झ्र्पाट पेश नहीं किया गया। KDA के प्रतिनिधि सज्जाद कारगिली ने बुधवार को कहा हम लद्दाख से इस उम्मीद के साथ आए थे कि

UT-स्तर पर चुनी हुई संस्था बनाने के लिए कोई झ्र्पाट तैयार होगा - एक ऐसा मुद्दा जिस पर आम सहमति है। हमें उम्मीद थी कि बातचीत आगे बढ़ेगी... लेकिन दुर्भाग्य से, हमें निराशा हुई। उन्होंने आगे कहा हालांकि, हम इन बातों को तभी संतोषजनक मानेंगे जब इसका झ्र्पाट हमें मिलेगा और हम देखेंगे कि क्या उन बातों को असल में लागू किया जा रहा है या नहीं।

लद्दाख पहले जम्मू-कश्मीर राज्य का हिस्सा था, लेकिन आर्टिकल 370 हटने के बाद इसे केंद्र-शासित प्रदेश (UT) बना दिया गया। लद्दाख के ररूप - LAB और KDA - 2021 से ही केंद्र सरकार के संपर्क में हैं। उन्होंने लद्दाख के लिए संवैधानिक सुरक्षा की मांग की है और UT स्तर पर एक चुनी हुई विधानसभा बनाने की बात कही है, लेकिन उनका कहना है कि कानून-व्यवस्था समेत शक्तियों के बंटवारे को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है।

चुनाव से पहले योगी का मास्टरस्ट्रोक!

1 करोड़ महिलाओं को 1 लाख तक का ब्याज-मुक्त लोन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की महिलाओं के लिए एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने 1 करोड़ महिलाओं को 1-1 लाख रुपये देने का ऐलान किया। यह रकम महिलाओं को बिना ब्याज के तीन किश्तों में दी जाएगी।

उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य की महिलाओं के लिए एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने 1 करोड़ महिलाओं को 1-1 लाख रुपये देने का ऐलान किया। यह रकम महिलाओं को बिना ब्याज के तीन किश्तों में दी जाएगी। खबरों के मुताबिक, प्रस्तावित 'उत्तर प्रदेश महिला उद्यमी क्रेडिट योजना' के तहत तीन चरणों में लोन दिया जाएगा, जिसका कुल फ़यदा 1 लाख रुपये तक होगा। पहली किश्त 20,000 रुपये की होने की उम्मीद है। जो महिला लाभार्थी इसे समय पर चुका देंगी, वे 30,000 रुपये की दूसरी किश्त के लिए पात्र हो जाएंगी। इसके बाद, दूसरी रकम चुकाने पर उन्हें 50,000 रुपये की तीसरी किश्त मिलेगी।

योजना से जुड़ी 5 मुख्य बातें:

- तीन किश्तों में मिलेगी 1 लाख की मदद** महिलाओं को 1 लाख रुपये का कुल वित्तीय लाभ एक साथ न देकर तीन अलग-अलग किश्तों में दिया जाएगा। यह पूरा लोन बिना किसी ब्याज के उपलब्ध कराया जाएगा।
- जानिए किश्तों का पूरा गणित** पहली किश्त : योजना के तहत शुरुआत में 20,000 की राशि दी जाएगी। दूसरी किश्त : पहली किश्त का समय पर भुगतान करने पर महिलाओं को 30,000 की दूसरी किश्त मिलेगी। तीसरी किश्त : दूसरी रकम सही समय पर चुकाने के बाद 50,000 की तीसरी और अंतिम किश्त जारी होगी।
- समय पर री-पेमेंट करना होगा अनिवार्य**



योजना का ढांचा इस प्रकार तैयार किया गया है कि महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और अनुशासित बनें। केवल वही लाभार्थी अगली किश्त के पात्र होंगे जो पिछली राशि का भुगतान तय समय सीमा के भीतर करेंगे।

4. 50,000 रुपये की आर्थिक मदद की अटकलों पर विराम

चुनावी माहौल के बीच महिलाओं को 50,000 रुपये की सीधी आर्थिक मदद देने की राजनीतिक चर्चाएं चल रही थीं। हालांकि, अब 1 लाख रुपये के इस ब्याज-मुक्त लोन मॉडल से साफ़ है कि फ़ेकस महिलाओं को सीधे पैसे देने के बजाय उन्हें स्वरोजगार से जोड़ने पर है। 5. चुनावी गणित और आत्मनिर्भरता पर जोरविधानसभा चुनाव के मुहाने पर खड़ी उत्तर प्रदेश की राजनीति में 1 करोड़ महिलाओं तक इस योजना का लाभ पहुंचाना एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इससे न केवल ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को आर्थिक मजबूती मिलेगी, बल्कि यह राज्य में महिला उद्यमिता को भी बढ़ावा देगा। गौर करने वाली बात यह है कि यह प्रस्तावित लोन योजना ऐसे समय में आई है जब उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले महिलाओं को आर्थिक मदद देने पर राजनीतिक चर्चा हो रही है। इससे पहले सरकार द्वारा महिलाओं को 50,000 रुपये की आर्थिक मदद देने की अटकलें लगाई जा रही थीं, हालांकि आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई घोषणा नहीं की गई थी।

पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद से मिले गवर्नर कविंदर गुप्ता, उनके अमूल्य योगदान के लिए उनके प्रति गहरा सम्मान जताया

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के गवर्नर कविंदर गुप्ता ने गुरुवार को नई दिल्ली में पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर बातचीत की, जिसमें खास तौर पर संवैधानिक मूल्यों, लोकतांत्रिक संस्थाओं को मजबूत करने, शिक्षा और राष्ट्र-निर्माण में युवाओं की भूमिका पर जोर दिया गया। मुलाकात के दौरान, गुप्ता ने राम नाथ कोविंद के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की और सार्वजनिक जीवन में उनके



शानदार सफ़र और विभिन्न संवैधानिक पदों पर रहते हुए देश के लिए उनके अमूल्य योगदान के लिए उनके प्रति गहरा सम्मान जताया। युवाओं की आवाज, 1 लाख Youth का लक्ष्य गुप्ता ने हिमाचल प्रदेश में अपनाई जा रही साझा किए, खासकर गुणवत्तापूर्ण और मूल्य-आधारित शिक्षा, युवा सशक्तिकरण, राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और इसकी आध्यात्मिक व सांस्कृतिक क्षमता को बढ़ावा देने के क्षेत्रों में।

यह बैठक बहुत ही सीढ़ाईपूर्ण माहौल में हुई, जिसमें जनसेवा के आदर्शों, संवैधानिक मूल्यों और देश की निरंतर प्रगति और विकास के प्रति साझा प्रतिबद्धता दिखाई दी। इससे पहले रविवार को, शिमला के लोक भवन में आयोजित राज्य-स्तरीय शिक्षक दिवस समारोह में गुप्ता ने 32 शिक्षकों को राज्य पुरस्कार प्रदान किए और एक शिक्षक को 2025 के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया। पुरस्कार पाने वाले शिक्षकों को बधाई देते हुए रायचपाल ने कहा कि शिक्षा

प्रणाली को मजबूत करने में शिक्षकों, अभिभावकों और छात्रों, सभी की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा, "शिक्षकों को शिक्षा और संस्कार देने की अपनी जिम्मेदारी के प्रति संवेदनशील होना चाहिए, क्योंकि तभी शिक्षण और सीखने की प्रक्रिया वास्तव में प्रभावी हो सकती है।" राष्ट्र-निर्माण में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए गुप्ता ने कहा कि 'विकसित भारत-2047' के विजन को साकार करने के लिए युवाओं की सक्रिय और सार्थक भागीदारी आवश्यक होगी।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक मजबूत और विकसित भारत की नींव के तौर पर अच्छी कालिटी वाली, समावेशी और मूल्यों पर आधारित शिक्षा को बहुत ज्यादा अहमियत दी है। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 का जिक्र करते हुए गवर्नर ने कहा कि शिक्षा अब सिर्फ परीक्षाओं और डिग्रीयों तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि अब इसका ज्यादा ध्यान ज्ञान, कौशल, रचनात्मकता, इनोवेशन, रिसर्च और चरित्र निर्माण पर है।

तयों असम में माता-पिता की देखभाल नहीं करने पर सरकारी कर्मचारी की कटती है 10 से 15 फीसदी सैलरी ?

असम। सोशल मीडिया पर PRANAM Act को लेकर कई पोस्ट शेयर की जा रही हैं. इनमें दावा किया जा रहा है कि अगर कोई सरकारी कर्मचारी अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करता है, तो उसकी सैलरी से 10 से 15 फ़ीसदी रकम सीधे काट ली जाती है. कुछ वायरल पोस्ट में इसे ऐसे भी बताया गया कि यह रकम अपने आप कर्मचारी की सैलरी से कटकर माता-पिता के ख़ाते में चली जाती है. आइए जानते वया है इसकी सच्चाई?

असम में लागू है PRANAM Act 2017

असम में माता-पिता की जिम्मेदारी को लेकर PRANAM Act, 2017 लागू है. इसका पूरा नाम ssam Employees Parent Responsibility and Norms for Accountability and Monitoring Act है. कानून का मकसद सरकारी कर्मचारियों को अपने आश्रित माता-पिता और दिव्यांग भाई-बहनों की देखभाल के लिए जवाबदेह बनाना है.

पॉलो करनी पड़ती है पूरी प्रक्रिया

असम सरकार के आधिकारिक PRANAM पोर्टल के मुताबिक, आश्रित माता-पिता या दिव्यांग भाई-बहन शिकायत कर सकते हैं. इसके लिए उन्हें निर्धारित अधिकारी के पास आवेदन देना होता है. इसके बाद मामले की जांच होती है. कर्मचारी को अपना पक्ष रखने का मौका भी दिया जाता है. वहीं, आधिकारिक प्रक्रिया



पूरी होने के बाद ही कर्मचारी की सैलरी का एक हिस्सा माता-पिता या दिव्यांग भाई-बहन को देने का आदेश दिया जा सकता है.

कितनी रकम दी जा सकती है?

असम सरकार के PRANAM पोर्टल के ख़त के मुताबिक, आश्रित माता-पिता या दिव्यांग भाई-बहन को मासिक सकल वेतन का 10 फ़ीसदी तक मुआवज़ा दिया जा सकता है. वहीं, कुछ असाधारण मामलों में यह सीमा 15 फ़ीसदी तक हो सकती है.

यह रकम कर्मचारी के सकल मासिक वेतन के आधार पर तय होती है. इसलिए सोशल मीडिया पर चल रहा दावा कि हर सरकारी कर्मचारी की सैलरी से 10-15 फ़ीसदी सीधे काटे जा रही है, कानून के आधिकारिक नियम से मेल नहीं खाता.

जीवन मंत्र

प्यार की तीव्रता महसूस कर बनें अच्छा इंसान



मिर्ज़ा ग़ालिब का एक जबर्दस्त शेर था ,मुहबबत में नहीं है फर्क जीने और मरने का , उसी को देखकर जीते हैं जिस काफ़िर पर दम निकले सचमुच प्रेम की प्रगाढ़ता व्यक्ति की अंदरूनी ताक़त को बढ़ाती है . जब व्यक्ति अपने प्यार को सामने देखता है तो उसके दिल की धड़कन पर असर होता है . यह आप सबने महसूस किया होगा . सन् 2006 में रोटरी वलब, भिलाई ग्रेटर , के अध्यक्ष के रूप में मैंने डिनर से पहले सभी सदस्यों और उनकी पत्नियों से एक प्रयोग करवाया था. मैंने उनसे कहा, सबसे पहले सभी आंखें बंद कर अपना दाहिना हाथ अपने दिल पर रख लीजिये और तीन बार गहरी सांसें लें. अब चेहरे पर मुस्कुराहट लाकर , अपने जीवन के पहले प्यार की तीव्रता को एक मिनट याद करें . यह प्यार , सफल - असफल, एक तरफ़ा

,खाबों में , मौन , गहरा आकर्षण , कम उम्र की नადानी इत्यादि कुछ भी हो सकता है . अब अपने प्यार के नाम या जो सम्बोधन आपने उसके लिये तय किया हो , वह गुनगुनायें और अपने प्रेम की कोई अदा , कोई ख़ास बात , कोई घटना , कोई आकर्षण जो आपको दीवाना बनाती थी , उसके उस समय के चेहरे के साथ याद कर एक मिनट महसूस करें . फिर तीनों सांसें लेकर अपनी आंखें सामान्य अवस्था में खोल दें . मैंने पाया , आंखें बंद किये हुए स्त्री ङ्क पुरुषों में कई लोगों की सांसें तेज़ हो गई थीं , कईयों के गाल ङ्कान लाल हो गये थे और कईयों के चेहरे पर अद्भुत मुस्कुराहट थी. उस रात के डिनर में करिश्माई वातावरण हो गया था . कुछ लोग ज़ोर से ठहाके लगाते, कुछ जोशीले अंदाज़ में और कुछ शर्मीली मंद मंद मुस्कुराहट लिये हुए थे . ग़ज़ब का आत्मीयता का माहौल बन गया था. आप भी इस बात को आजमा कर देखें .चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी उसने कहा था अपने एक तरफ़ पहले प्यार के लिये ज़मादार लहनासिंह के बलिदान की बेहतरीन भावाभिव्यक्ति थी . आज भी रोमांचित करती हैं , ऐसी कहानियां . प्यार में चाहे मिलन की आस हो या विरह की आग , इंसान का एनर्जी लेवल यानि लगनशीलता , सहनशीलता तथा भीतरी उर्ज़ा बहुत बढ़ जाती है . इसका उपयोग फ़रहाद ने पहाड़ काटकर नहर बनाने में तो तुलसीदास जी ने महान ग्रंथ लिखने में किया. हम ,आप , सभी अपने अंदर प्रेम की शक्ति को जगायें , हमारे अंदर छिपा प्रेम , प्रेरणा बनकर हमें ज़िंदगी में सफ़ल व अच्छा इंसान बनावे , इसी सद्भावना के साथ आज का अंक समाप्त

मधुर चितलाग्या, संपादक, पूरब टाइम्स, भिलाई



BSP कर्मचारियों की न्यूनतम वेतन की मांग, प्रबंधन को आंदोलन की चेतावनी

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र के नियमित कर्मचारियों और ठेका श्रमिकों ने गुरुवार सुबह अपनी लबित मांगों को लेकर सेल-बीएसपी प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन किया। सेक्टर-1 के मुर्गा चौक पर सुबह 7:45 से 8:45 बजे तक स्टील एम्प्लाइज यूनियन-इटक और स्टील ठेका श्रमिक यूनियन-इटक के बैनर तले कर्मचारियों और श्रमिकों ने नारेबाजी की।

प्रदर्शन के बाद सेल अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार पंडा के नाम संबोधित मांग पत्र आईआर विभाग को सौंपा गया। प्रदर्शन के दौरान 39 महीने के लबित एरियर्स, नए वेज रिवीजन, इंसेंटिव स्कीम में बढ़ोतरी, आवास लाइसेंस और ठेका श्रमिकों के न्यूनतम वेतन समेत कई मांगें उठाई गईं

आंगनबाड़ी सहायिका पद हेतु अनंतिम मूल्यांकन सूची जारी

दुर्गा। नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा क्षेत्रांतर्गत एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-02 द्वारा आंगनबाड़ी सहायिका के रिक्त पद हेतु अनंतिम मूल्यांकन सूची (परिशिष्ट-4) जारी कर दी गई है। इस संबंध में अभ्यर्थियों से 18 सितंबर 2026 तक दावा-आपत्ति आमंत्रित किए गए हैं। परियोजना अधिकारी नीलम राय चौधरी द्वारा जारी सूचना के अनुसार, वार्ड 3 स्थित आंगनबाड़ी केन्द्र-अकलौरीडीह क्रमांक-01 में सहायिका पद की पूर्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। मूल्यांकन समिति द्वारा परीक्षण के उपरांत तैयार की गई अनंतिम मूल्यांकन सूची 9 सितंबर 2026 को एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-02 एवं नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा के सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

कब्रपारा चौक में 9.88 लाख की लागत से बनेगी सीसी रोड, महापौर अलका बाघमार ने किया भूमिपूजन



–पक्की सड़क से मिलेगी कब्र पारा चौक के क्षेत्रवासियों को राहत,

दुर्ग। नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 37 कब्रपारा चौक में गुलाब निर्मलकर की दुकान से श्याम यादव के घर तक लंबे समय से चली आ रही उबड़-खाबड़ कच्ची सड़क की समस्या का जल्द समाधान होगा। नगर निगम द्वारा 9.88 लाख रुपए की लागत से सीमेंट-कांกรีट (सीसी) सड़क निर्माण कराया जाएगा। गुरुवार को महापौर अलका बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्रकार एवं पार्षद व एमआईसी सदस्य शिव नायक की उपस्थिति में सड़क निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया।

क्षेत्रवासियों द्वारा लंबे समय से सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी। कच्ची एवं जर्जर सड़क के कारण बारिश के दिनों के साथ ही सामान्य दिनों



में भी नागरिकों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ता था। नागरिकों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नगर निगम द्वारा सड़क निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि नगर निगम का उद्देश्य शहर के प्रत्येक वार्ड में नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना है। सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ कराया जा रहा है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसी को सड़क निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित मापदंडों के अनुरूप समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। भूमिपूजन के अवसर पर पार्षद रंजीता पाटिल, मनीष कोठारी, सहायक अभियंता सुरेश केवलानी, विकास दमाहे सहित वार्ड के नागरिकगण उपस्थित रहे।

भिलाई-चरोदा में 40 वार्डों का आरक्षण: कहीं OBC तो कहीं SC-ST और महिला सीट

भिलाई-चरोदा। नगर पालिका निगम भिलाई-चरोदा के आगामी नगरीय निकाय चुनाव को लेकर वार्डवार आरक्षण की तस्वीर साफ हो गई है। निगम के 40 वार्डों के लिए आरक्षण सूची जारी होने के साथ ही चुनावी दावेदारों की धड़कनें बढ़ गई हैं। आरक्षण के बाद कई संभावित प्रत्याशियों को अपने वार्ड में ही रणनीति बदलनी पड़ सकती है, जबकि कुछ नेताओं के लिए चुनावी मैदान पूरी तरह खुल गया है। जारी सूची के अनुसार सामान्य मुक्त, OBC, SC, ST और विभिन्न महिला आरक्षित वार्डों का निर्धारण किया गया है। आरक्षण सूची सामने आते ही राजनीतिक दलों और संभावित प्रत्याशियों के बीच बैठकों और चुनावी सक्रियता का दौर तेज होने की संभावना है। इन वार्डों में महिला उम्मीदवारों को आरक्षण महिला आरक्षण के तहत सामान्य महिला के लिए वार्ड 8, 19, 23, 25 और 39 आरक्षित किए गए हैं। वहीं OBC महिला के लिए वार्ड 4, 7, 10 और 17 निर्धारित हैं। SC महिला के लिए वार्ड 5 और 40, जबकि ST महिला के लिए वार्ड 12 आरक्षित किया गया है।



महिला आरक्षण वाले वार्डों में अब राजनीतिक दलों को महिला दावेदारों के नामों पर फ़ैकस करना होगा।

सामान्य वर्ग के लिए कौन-कौन से वार्ड खुले?

सामान्य मुक्त श्रेणी में वार्ड क्रमांक 1, 2, 3, 6, 11, 13, 15, 16, 18, 22, 24, 27, 29, 30, 36 और 37 शामिल हैं। इन वार्डों में सामान्य वर्ग के महिला और पुरुष दोनों उम्मीदवार चुनाव

क्षेत्र में चुनावी दावेदारों की सक्रियता बढ़ने की संभावना है। जिन नेताओं ने लंबे समय से किसी खास वार्ड से चुनाव लड़ने की तैयारी की थी, उन्हें आरक्षण के अनुरूप अब अपनी रणनीति पर दोबारा विचार करना होगा। आरक्षण ने कई दावेदारों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है तो कई नए चेहरों के लिए चुनावी मैदान खोल दिया है। ऐसे में आने वाले दिनों में दावेदारों के वार्ड बदलने, नए नाम सामने आने और राजनीतिक समीकरणों में बदलाव देखने को मिल सकता है।

मैदान में उतर सकते हैं।

OBC और SC-ST के लिए भी तय हुए वार्ड

OBC मुक्त श्रेणी में वार्ड 9, 20, 21, 26, 28, 32 और 38 रखे गए हैं। वहीं SC मुक्त श्रेणी में वार्ड 31, 33, 34 और 35 शामिल हैं। वार्ड 14 को स्ख़ मुक्त रखा गया है।

आरक्षण के बाद बदलेगा चुनावी गणित

वार्डवार आरक्षण सूची जारी होने के बाद अब भिलाई-चरोदा निगम

जनकल्याण और जनभागीदारी का व्यापक अभियान बने ‘सेवा संकल्प अभियान’ : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

- मुख्यमंत्री ने कहा- अभियान से आम नागरिक को मिले प्रत्यक्ष लाभ
- सेवा सेतु शिविरों में योजनाओं का मिलेगा त्वरित लाभ, समस्याओं का होगा मौके पर निराकरण
- रोजगार मेलों को अभियान से जोड़कर युवाओं को रोजगार के अधिक से अधिक अवसर उपलब्ध कराने के निर्देश
- स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, वृक्षारोपण और जनसेवा की गतिविधियों से जुड़ेगे प्रदेशवासी
- ‘एक पेड़ मां के नाम’ के तहत वृक्षारोपण, इस वर्ष 2.5 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य होगा पूरा

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाला ‘सेवा संकल्प अभियान’ जनकल्याण और जनभागीदारी का व्यापक अभियान बने। अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, रोजगार और विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक नागरिकों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज सेवा संकल्प अभियान की तैयारियों को लेकर आयोजित कॉन्फ्रेंस में अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अभियान के प्रत्येक कार्यक्रम के केंद्र में आम नागरिक और उसकी जरूरतें होनी चाहिए। पात्र हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने, युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों के करीब पहुंचाने और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने सभी जिला कलेक्टरों से अभियान की तैयारियों की नियमित समीक्षा करने और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय के साथ कार्यक्रमों को सुनियोजित ढंग से संपन्न कराने को कहा। उन्होंने कार्यक्रमों की पूर्व सूचना आम नागरिकों तक पहुंचाने और अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर के निर्देश एवं श्रमायुक्त कार्यालय से समन्वय कर समस्या का हुआ त्वरित निराकरण

–पाटन की रामेश्वरी सेन की तकनीकी समस्या दूर कर जारी किया गया पंजीयन कार्ड दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विगत दिवस समाचार पत्र में पाटन क्षेत्र के ग्राम तेलीगुंडरा निवासी रामेश्वरी सेन के आधार विवरण का अन्य पंजीयन में उपयोग होने और श्रम कार्ड न बन पाने संबंधी खबर पर त्वरित संज्ञान लिया है। कलेक्टर के संवेदनशील निर्देशों के परिपालन में श्रम विभाग द्वारा तत्परतापूर्वक कार्यवाही करते हुए हितग्राही का ‘छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल’ के अंतर्गत नया श्रम पंजीयन कार्ड जारी कर दिया गया है। विभागीय रिकॉर्ड एवं पोर्टल के परीक्षण के

दौरान यह पाया गया था कि पूर्व में किसी अन्य पंजीयन कार्ड में हितग्राही के आधार विवरण की प्रविष्टि हो जाने के कारण पोर्टल पर तकनीकी त्रुटि उत्पन्न हो रही थी, जिससे झका नया पंजीयन पूर्ण नहीं हो पा रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए सहायक श्रमायुक्त कार्यालय दुर्ग ने तत्काल उच्च कार्यालय (श्रमायुक्त कार्यालय) से तकनीकी समन्वय स्थापित किया। उच्च स्तर से पोर्टल की इस तकनीकी समस्या का समाधान करते हुए प्रविष्टि में आवश्यक सुधार किया गया और श्रीमती रामेश्वरी सेन का विधिवत श्रम पंजीयन सफ़्फतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया।



सेवा सेतु शिविरों में पात्र हितग्राहियों को मौके पर मिलेगा योजनाओं का लाभ मुख्यमंत्री श्री साय ने ‘सेवा सेतु’ अभियान को जनकल्याण की दृष्टि से प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया। अभियान के अंतर्गत चयनित गांवों में स्वास्थ्य शिविर के साथ ही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर योजनाओं से जोड़ा जाएगा और उनकी समस्याओं का यथासंभव मौके पर निराकरण किया जाएगा। शिविर स्थलों पर आवेदन प्राप्त करने के लिए काउंटर स्थापित किए जाएंगे। प्राप्त आवेदनों की डिजिटल मॉनिटरिंग की जाएगी। जिन समस्याओं का तत्काल निराकरण संभव नहीं होगा, उनकी साप्ताहिक समीक्षा कर समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि शिविर आयोजित होने से पहले ही संबंधित क्षेत्र के

42 एमएलडी फ़ि्टर प्लांट का महापौर ने किया औचक निरीक्षण पेयजल व्यवस्था शीघ्र सामान्य करने के निर्देश,

–त्योहारी सीजन से पहले

पेयजल आपूर्ति दुरुस्त करने महापौर अलका बाघमार ने दिए सख्त निर्देश,

–पुराने मोटर पंपों की जगह लगेंगे नए मोटर पंप, प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश,

दुर्ग। नगर पालिक निगम। शहर के विभिन्न वार्डों में पेयजल आपूर्ति को लेकर लगातार प्राप्त हो रही शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए महापौर अलका बाघमार ने आज 42 एमएलडी फ़ि्टर प्लांट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चंद्राकर, जल कार्य प्रभारी लीना दिनेश देवांगन,रंजीता पाटिल, भवन अधिकारी प्रकाश चंद थवानी, राजेंद्र ढ्वाले एवं विनोद मांझी के साथ फ़ि्टर प्लांट की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।निरीक्षण के दौरान महापौर ने फ़ि्टर प्लांट



में आई खराबी तथा उससे प्रभावित हो रही पेयजल व्यवस्था की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए पेयजल आपूर्ति को जल्द से जल्द सामान्य करने के लिए आवश्यक कार्यवाही प्राथमिकता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए।

महापौर अलका बाघमार ने कहा कि शहर के विभिन्न वार्डों से लगातार पेयजल आपूर्ति प्रभावित होने की शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। 42 एमएलडी फ़ि्टर प्लांट में आई तकनीकी खराबी को तत्काल दुरुस्त कर पेयजल व्यवस्था को शीघ्र सामान्य किया जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने अधिकारियों को पुराने मोटर पंपों की स्थिति का परीक्षण कर उनकी जगह नए मोटर पंप लगाए जाने का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश भी दिए। महापौर

ने कहा कि नागरिकों को नियमित और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना निगम की प्राथमिक जिम्मेदारी है। आगामी त्योहारों को देखते हुए पेयजल व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी तथा आवश्यक सुधार कार्यों को समय-सीमा में पूरा किया जाए।

जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक ‘सेवा संकल्प अभियान’ का आयोजन

–अभियान के सफल संचालन हेतु कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश –ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में व्यापक जनभागीदारी से आयोजित होंगी विविध जनकल्याणकारी गतिविधियां

–अपर कलेक्टर, निगम आयुक्त एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बनाए गए नोडल अधिकारी दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन, जनसंपर्क विभाग के निर्देश के परिपालन में जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक एक माह का विशेष ‘सेवा संकल्प अभियान’ आयोजित किया जाएगा। अभियान का मुख्य उद्देश्य जनसेवा के प्रति आभार व्यक्त करना, ‘विकास भारत 2047’ का सामूहिक संकल्प लेना, केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करना है।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने जारी आदेशानुसार अभियान के सुचारु क्रियान्वयन एवं मॉनिटरिंग के लिए जिले के अधिकारियों को नोडल दायित्व सौंपे हैं। नगरीय क्षेत्रों के लिए समस्त निगम आयुक्तों तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए मुख्य

कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों के मध्य बेहतर समन्वय हेतु अपर कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी को नोडल अधिकारी का प्रभार दिया गया है। उन्होंने अभियान की प्रत्येक गतिविधि के सुव्यवस्थित संचालन के लिए नोडल एवं सहयोगी अधिकारियों की भी जिम्मेदारी तय की है। जिसके अनुसार ‘आशीर्वाद का दीया’ पहल हेतु उपसंचालक पंचायत दीप्ती साहू व सीईओ ज.प. दुर्ग प्रकाश मेश्राम नोडल अधिकारी होंगे, जिन्हें नगरीय निकाय दुर्ग, भिलाई और रिसाली के उपायुक्त व ईडीएम सहयोग प्रदान करेंगे। ‘25 करोड़ बच्चों के सपनों का भारत’ का प्रतियोगिता का दायित्व जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर, तथा सहयोगी नोडल सहायक आयुक्त आदिवासी अविनास श्रीवास सभालेंगे।

‘नमो सेवा गाथा’ का प्रभार उपसंचालक समाज कल्याण ए.पी. गौतम व सहायक संचालक शिक्षा अमित घोष तथा ‘आंगन का उत्सव’ का जिम्मा जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) आर.के. जाम्बुलकर व मुख्य चिकित्सा

एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज दानी सभालेंगे। ‘कहानी बदलाव की’ पहल के लिए संयुक्त संचालक जनसंपर्क एम.एस. सोरी को नोडल व प्र. सहायक संचालक खेल ए. एक्का को सहायक अधिकारी बनाया गया है। ‘विकसित भारत संकल्प यात्रा’ के लिए सहायक आयुक्त आदिवासी अविनास श्रीवास व ए. एक्का को क्रमशः नोडल एवं सहयोगी बनाया गया है। ‘सेवा ज्योति यात्रा’ हेतु आरटीओ मृत्युंजय पटेल को नोडल व उपसंचालक पंचायतदीप्ती साहू सहायक, ‘जल जन सेवा संकल्प’ के लिए ईई तांदुला आशुतोष सारस्वत को नोडल व ईई (पीएचई) उत्कर्ष पाण्डेय को सहायक तथा ‘सेवा-मेरा योगदान’ हेतु डीएफओ चंद्र अग्रवाल व क्षेत्रीय अधिकारी पर्यावरण संरक्षण पी.एस. पांडे को नोडल तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (नगर व ग्रामीण) सहयोगी दायित्व निभाएंगे। वहीं ‘सेवा सेतु’ शिविरों की कमान अपर कलेक्टर सिल्ली थॉमस व डिप्टी कलेक्टर सोनल डेविड, रंगोली राष्ट्र मंडल पहल में सहायक आयुक्त आदिवासी अविनाश श्रीवास नोडल और जिला शिक्षा अधिकारी जगजीत सिंह धीर सहायक अधिकारी होंगे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितम्बर 2026 की सफलता हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग ने तेज की तैयारियाँ

– प्रकरणों की प्री-सिटिंग से लेकर विभिन्न विभागों के साथ समन्वय तक, प्रभावी समाधान के लिए व्यापक कार्ययोजना

दुर्ग। आमजन को त्वरित, सुलभ एवं निःशुल्क न्याय उपलब्ध कराने तथा न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का आपसी सहमति एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से निराकरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 12 सितम्बर 2026 को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायालय, दुर्ग सहित जिले में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा जोर-शोर से तैयारियाँ प्रारंभ कर दी गई हैं।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय लोक अदालत को अधिकाधिक सफ़्फा बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

प्रकरणों की प्री-सिटिंग पर विशेष जोर

राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिक से अधिक प्रकरणों का प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित प्रकरणों में प्री-सिटिंग की कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। प्री-सिटिंग के माध्यम से पक्षकारों के मध्य विवाद के मूल कारणों को समझने, आपसी सहमति की संभावनाओं का परीक्षण करने तथा उन्हें लोक अदालत के माध्यम से विवाद का शांतिपूर्ण समाधान प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

विभिन्न विभागों के साथ समन्वय

राष्ट्रीय लोक अदालत को व्यापक एवं परिणामोन्मुखी बनाने के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जिले के विभिन्न संबंधित विभागों, न्यायालयों, विधिक सहायता तंत्र एवं अन्य हितधारकों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित किया जा रहा है। संबंधित विभागों से प्रकरणों की जानकारी प्राप्त करने, पात्र



प्रकरणों को चिन्हांकित करने तथा अधिक से अधिक प्रकरणों को लोक अदालत के माध्यम से निराकृत किए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

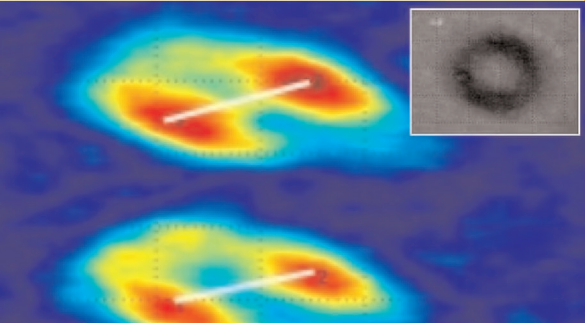
पक्षकारों से अधिकाधिक भागीदारी की अपील

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि उनका कोई प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत में रखे जाने योग्य है अथवा उनका कोई विवाद आपसी समझौते के माध्यम से समाप्त किया जा सकता है, तो वे इस अवसर का लाभ उठाएं। लोक अदालत विवादों के समाधान का ऐसा प्रभावी मंच है, जहां पक्षकार आपसी सहमति से अपने विवाद का समाधान कर सकते हैं, जिससे उन्हें लंबे समय तक चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया, समय एवं अतिरिक्त खर्च से राहत मिल सकती है।



ज्ञान-विज्ञान की बातें

यूक्रेनी वैज्ञानिकों का दावा, चंद्रमा के ऊपर दिखाई 20 से ज्यादा अज्ञात उड़ती वस्तुएं, यूक्रेनी वैज्ञानिकों ने किया रिकॉर्ड



ब्रह्मांड में एलियंस और दूसरी रहस्यमयी चीजों के होने पर लंबे समय से बहस चल रही है। बहुत से लोग सोचते हैं कि क्या इतने बड़े ब्रह्मांड में इंसान सच में अकेले हैं, जबकि इसका ज्यादातर हिस्सा अभी भी अनजाना है। वैज्ञानिकों ने सिर्फ़ देखे जा सकने वाले ब्रह्मांड का अध्ययन किया है, जिससे अनगिनत सवाल बिना जवाब के रह गए हैं। ‘प्रोजेक्ट हेल मैरी’ जैसी फ़िल्में, सार्वजनिक किए गए दस्तावेजों और दूसरे स्रोतों से समय-समय पर ऐसी घटनाओं की खबरें सामने आती रही हैं जिनकी कोई व्याख्या नहीं है।

यूक्रेन की मेन एस्ट्रोनॉमिकल ऑब्ज़र्वेटरी के शोधकर्ताओं की एक स्टडी ने नई बहस छेड़ दी है। उन्होंने दावा किया है कि चांद के पास और उसके ऊपर से गुजरती हुई 20 से ज्यादा अज्ञात हवाई चीजें (UAO) देखी गई हैं। इन नतीजों ने दुनिया भर का ध्यान खींचा है, लेकिन इनकी अभी तक ‘पीयर रिव्यू’ (विशेषज्ञों द्वारा जांच) नहीं हुई है और न ही स्वतंत्र रूप से पुष्टि की गई है। यूक्रेनी वैज्ञानिकों ने अज्ञात चीजों का पता लगाया

यूक्रेन की मेन एस्ट्रोनॉमिकल ऑब्ज़र्वेटरी के वैज्ञानिकों ने बताया कि 2025 में चांद के पास और उसके ऊपर से गुजरती हुई 20 से ज्यादा अज्ञात चीजें देखी गईं। शोधकर्ताओं के अनुसार, डिस्क के आकार की कुछ चीजों का व्यास 15 से 25 मील के बीच होने का अनुमान लगाया गया। ये चीजें 2025 में कई टेलीस्कोप सेशन के दौरान देखी गईं। इसके लिए यूक्रेन के कीव इलाके के विनारिका में टेलीस्कोप पर लगे हाई-स्पीड कैमरे का इस्तेमाल किया गया। ‘डेली मेल’ की रिपोर्ट के मुताबिक, कैमरा प्रति सेकंड 20 फ्रेम कैप्चर करता था, जिससे वैज्ञानिक उन धुंधली चीजों की पहचान कर पाए जो चांद की सतह के सामने छोटें-छोटे धब्बों की तरह दिख रही थीं।

टीम ने देखी गई चीजों को दो कैटेगरी में बांटा। पहली कैटेगरी में "एटमॉस्फेरिक" (वायुमंडलीय) चीजें थीं, जो चांद के साथ-साथ चलते हुए भी स्थिर दिख रही थीं। दूसरी कैटेगरी में "कॉन्टिनेंटल" (महाद्वीपीय) चीजें थीं, जो चांद की सतह के ऊपर से गुजरती हुई दिख रही थीं। शोधकर्ताओं ने कुछ चीजों से रोशनी की तेज चमक भी देखी, और कुछ में रोशनी के पैटर्न एक साथ बदलते हुए दिखे। चांद एक बेस के तौर पर काम आ सकता है एक और स्टडी में, जिसकी ‘पीयर रिव्यू’ नहीं हुई है, शोधकर्ताओं ने अज्ञात उड़ने वाली चीजों (UFO) की दो कैटेगरी की पहचान की।

पहली कैटेगरी में "एटमॉस्फेरिक" चीजें थीं जो स्थिर दिख रही थीं, जबकि दूसरी कैटेगरी वाली चीजें चांद की सतह के ऊपर से गुजरती हुई दिख रही थीं। रिसर्चर ने यह भी कहा कि "FOs को धरती और धरती के आस-पास की अंतरिक्ष में देखा जाता है। अपनी कैलकुलेशन के आधार पर, वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया कि कुछ चीजों का साइज लगभग 1,440 फ़ीट से लेकर एक मील से ज्यादा तक हो सकता है, जो इस बात पर निर्भर करता है कि वे कितनी सूरज की रोशनी को रिफ़्लेक्ट करती हैं।

डेंगू के मौसम में स्वास्थ्य मंत्री की अपील स्कूलों से बच्चों को ऐसे कपड़े पहनने की अनुमति दे जिससे उनके हाथ-पैर ज्यादा से ज्यादा ढके रहें

डेंगू का खतरा बढ़ने के मौसम में मच्छरों से बचाव के लिए लोगों को कई तरह की सावधानियां बरतने की सलाह दी जाती है। इसी बीच पश्चिम बंगाल के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. शरद्वत मुखर्जी ने स्कूलों से बच्चों को ऐसे कपड़े पहनने की अनुमति देने की अपील की है, जिससे उनके हाथ-पैर ज्यादा से ज्यादा ढके रहें। उन्होंने खास तौर पर सुझाव दिया कि डेंगू के मौसम में करीब तीन महीने तक लड़कियों को स्कर्ट की जगह सलवार-सूट पहनने की अनुमति दी जाए। स्वास्थ्य मंत्री का कहना है कि बच्चों की त्वचा जितनी ज्यादा ढकी रहेगी, मच्छरों के सीधे काटने की संभावना उतनी ही कम हो सकती है। उन्होंने स्कूल यूनिफ़ॉर्म को लेकर यह सुझाव डेंगू से बचाव के लिए उठाए जाने वाले एहतियाती कदमों के तौर पर दिया है।

लड़कियों को स्कर्ट की जगह सलवार-सूट पहनने की सलाह

एक हाई-लेवल रिव्यू मीटिंग के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने स्कूलों से अपील की कि डेंगू के सीजन में बच्चों को पूरे बाजू और शरीर को ज्यादा कवर करने वाले कपड़े पहनने की अनुमति दी जाए। उन्होंने कहा कि अगले तीन महीनों तक स्कूलों को यूनिफ़ॉर्म में अस्थायी बदलाव पर विचार करना चाहिए। लड़कियों के लिए स्कर्ट की जगह सलवार-सूट जैसे ऐसे कपड़ों की अनुमति देने का



सुझाव दिया गया, जिससे पैर ज्यादा ढके रहें। स्वास्थ्य मंत्री ने डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता को भी महत्वपूर्ण बताया।

घुटने तक के मोजे कितने कारगर?

स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक, केवल घुटने तक के मोजे पहनाना पर्याप्त सुरक्षा नहीं दे सकता। उनका तर्क है कि पतले और त्वचा से चिपके मोजों के ऊपर से भी मच्छर काट सकते हैं। हालांकि, डेंगू से बचाव के लिए कपड़ों का

खर्च वाला उपाय हो सकता है। उनका कहना है कि ज्यादा जोखिम वाले मौसम में अगर स्कूल यूनिफ़ॉर्म में ऐसा बदलाव किया जाता है, जिससे बच्चों के शरीर का ज्यादा हिस्सा ढका रहे, तो यह मच्छरों के काटने की संभावना कम करने वाली रणनीति का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, केवल कपड़े बदलना डेंगू से बचाव के लिए पर्याप्त नहीं है। मच्छरों से बचाव के लिए कई उपायों को साथ में अपनाना जरूरी है।

फ़ॉड का नया तरीका: एटीएम के ऑपरेटिंग सिस्टम तक पहुंचा अपराधी मशीन में छिपी ये चीजें

आजकल एटीएम से पैसे निकालना आम बात है, लेकिन असली खतरा तब होता है जब धोखेबाज आपको जरा सी लापरवाही का फायदा उठा लेते हैं। दरअसल, लोग अवसर सोचते हैं कि ट्रॉजेक्शन के बाद कैसिल बटन दबाना सुरक्षा की निशानी है, जबकि चोर आपका पिन चुराने के लिए ‘शोल्डर सर्फिंग’ यानी कंधे के ऊपर से झांकने या कोई हिडन कैमरा लगाने जैसी तरीकें अपनाते हैं। इसलिए, जरूरी है कि एटीएम इस्तेमाल करते समय अपने आस-पास की गतिविधियों पर नजर रखें और पिन डालते समय उसे ठीक से छिपाएं।

एटीएम धोखाधड़ी क्या है?

सरल शब्दों में एटीएम धोखाधड़ी एटीएम मशीनों के माध्यम से किया जाने वाला अपराध है। एटीएम में अनिवार्य रूप से कुछ न कुछ कमजोरियाँ होती हैं जिनका फायदा घोटालेबाज उठा सकते हैं। कंप्यूटर एनालॉग सिस्टम और एक सुरक्षित तिजोरी, एटीएम मशीन के दो मुख्य घटक हैं। चोर विभिन्न प्रकार के लॉकपिक से तिजोरी के किनारों को तोड़ सकते हैं।

एटीएम के ऑपरेटिंग सिस्टम तक पहुँच अपराधियों के लिए उपयोगकर्ता के पैसे को अवैध रूप से निकालना आसान बना देती है। एटीएम धोखाधड़ी के लिए आज एक दर्जन से ज्यादा प्रकार के मैलवेयर मौजूद हैं।

एटीएम धोखाधड़ी के प्रकार-साइबर नेटवर्क और तकनीकी क्षेत्रों में भारी प्रगति के साथ डिजिटल अपराधों ने भी तेजी पकड़ी है। इसी तरह, एटीएम धोखाधड़ी भी कई गुना बढ़ गई है। अपराधी एटीएम तक पहुँचने और दूसरों के खातों से अवैध रूप से नकदी निकालने के लिए कई तरह के हथकंडे अपनाते हैं, चाहे वह भौतिक रूप से हो या तकनीक के जरिए।

- कार्ड शिमिंग:** यह ठगों द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला सबसे आम कार्ड ठगी का तरीका है। यह एक पतला बोर्ड होता है जो कार्ड रीडर में चुपचाप लग जाता है। जब आप कार्ड डालते हैं तो यह बैंक की सामान्य कार्ड सेवाओं में बाधा डाले बिना चुबकीय पट्टी से डेटा पढ़ता और संग्रहीत करता है। इस तरह, बदमाश सारा महत्वपूर्ण डेटा हासिल कर लेते हैं और आपके कार्ड का एक ऐसा संस्करण बना लेते हैं जिसका इस्तेमाल दुकानों में किया जा सकता है।
- कार्ड ट्रैपिंग:** धोखेबाज अवसर एटीएम कार्ड रीडर



में एक ऐसा उपकरण लगाने का तरीका दृढ़ होते हैं जो लेनदेन होने के बाद कार्डधारक को कार्ड निकालने से रोकता है। घोटालेबाज आमतौर पर पिन प्राप्त करने के लिए एटीएम फेसप्लेट में लगे छिपे हुए वीडियो कैमरों का इस्तेमाल करते हैं। फिर वे एटीएम से पैसे

निकालने के लिए पीछे छूटे कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं।

- कार्ड स्किमिंग:** स्किमिंग एक गैरकानूनी तरीका है जिसमें एटीएम में एक छिपा हुआ उपकरण डाला जाता है जो एटीएम से लैन-देन के दौरान उपयोगकर्ता के कार्ड की जानकारी पढ़ने की क्षमता प्रदान करता है। नतीजतन, अपराधी चुबकीय पट्टी पर अपना पिन कोड लिखकर एक डुप्लिकेट कार्ड बना लेता है। इन क्लोन कार्डों का इस्तेमाल अपराधी जब चाहें पैसे निकालने के लिए करते हैं। यह एटीएम धोखाधड़ी के सबसे आसानी से पकड़ में न आने वाले तरीकों में से एक है।
- कीबोर्ड जैमिंग:** कुछ खास तरीकों से धोखेबाज

एटीएम के कीबोर्ड की कुछ खास कुंजियों को जाम कर देते हैं ताकि व्यक्ति मशीन से पैसे न निकाल सके। जैसे ही धर्मित व्यक्ति मदद लेने के लिए बाहर निकलता है, धोखाधड़ी करने वाला व्यक्ति बृथ में घुस जाता है और पैसे निकाल लेता है क्योंकि उपयोगकर्ता पहले ही आवश्यक जानकारी दर्ज कर चुका होता है।

- फिशिंग:** एटीएम धोखाधड़ी का यह विशेष रूप तब होता है जब स्कैमर चालाकी से कार्डधारकों से पासवर्ड, कार्ड नंबर और सीवीवी चुरा लेते हैं। बुजुर्ग लोग आमतौर पर उनके निशाने पर होते हैं। अपराधी आपके व्यक्तिगत डेटा का इस्तेमाल उन खातों तक पहुँच प्राप्त करने के लिए करते हैं जिनसे बैंक कार्ड जुड़े होते हैं, जिससे वे अपनी इच्छानुसार पैसे निकाल सकते हैं।
- एसएमएस धोखाधड़ी:** इस प्रकार की एटीएम धोखाधड़ी में धोखेबाज आपको एक एसएमएस भेजकर सुचित करते हैं कि आपका एटीएम कार्ड ब्लॉक कर दिया गया है या उसका इस्तेमाल संदिग्ध गतिविधि, जैसे अनधिकृत निकासी के लिए किया गया है। इसे रोकने के लिए वे आपसे आपके कार्ड का विवरण, जैसे कार्ड नंबर, सीवीवी, पिन, समाप्ति तिथि आदि, दर्ज करने के लिए कहते हैं। आपके द्वारा विवरण दर्ज करने के बाद इस धोखाधड़ी में शामिल लोगों को यह विवरण प्राप्त हो जाएगा और वे उसका ऑनलाइन उपयोग करेंगे।

Apple ने अपने पहले फोल्डेबल स्मार्टफोन iPhone Duo को किया लॉन्च

Apple ने आखिरकार अपना पहला फ़ोल्डेबल स्मार्टफ़ोन iPhone Duo पेश कर दिया है. यह डिवाइस Samsung Galaxy Z Fold 8 जैसी फ़ॉर्म फैक्टर के साथ आता है और बंद होने पर कॉम्पैक्ट तो खुलने पर iPad जैसा बड़ा अनुभव देता है. कंपनी का दावा है कि यह iPhone की पोर्टेबिलिटी और iPad जैसी मल्टीटास्किंग क्षमता को एक साथ जोड़ता है.



डिजाइन और डिस्प्ले

ऐपल आईफोन डुओ (iPhone Duo) का डिजाइन Galaxy Z Fold 8 जैसा है, जिसमें नया हिंज टेक्नोलॉजी और "परसेप्युअली क्रीज-प्री" डिस्प्ले दिया गया है. Apple का कहना है कि स्क्रीन पर क्रीज समय के साथ गहरी नहीं होगी. इसमें IP68 डस्ट और वॉटर रेसिस्टेंस भी मौजूद है.

परफॉर्मंस और बैटरी

यह फोन Apple के नए 2nm A20 Pro चिपसेट पर चलता है और 256GB स्टोरेज

वाले बेस मॉडल से शुरू होता है. कंपनी ने बैटरी को लेकर "ऑल-डे बैकअप" का दावा किया है और कहा है कि यह 20 मिनट में 50% तक चार्ज हो सकता है.

कैमरा और फीचर्स

iPhone Duo में डुअल 48MP रियर कैमरा सेटअप है, जिसमें प्राइमरी और अल्ट्रा-वाइड लेंस शामिल हैं. इसमें iPhone 18 Pro का Variable Aperture कैमरा नहीं है. खास बात यह है कि इस Apple का पहला Under-Display Selfie Camera दिया गया है. साथ ही, यह Apple Pencil सपोर्ट भी करता है.

Galaxy Z Fold 8 और Fold 8 Ultra के बीच आती है. प्री-ऑर्डर 16 अक्टूबर से शुरू होंगे और बिक्री 23 अक्टूबर से होगी.

FAQs

Q1. iPhone Duo की सबसे बड़ी खासियत क्या है? इसका फ़ोल्डेबल डिजाइन और iPad जैसी मल्टीटास्किंग क्षमता.

Q2. क्या iPhone Duo में Face ID है? नहीं, इसमें Face ID नहीं है. सिक्वोरिटी के लिए Touch ID दिया गया है.

Q3. iPhone Duo की कीमत कितनी है? iPhone Duo की शुरुआती कीमत 2000 है.

ऑटोमोबाइल सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए भारत NCAP 2.0 की घोषणा

हाल ही में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफ़ैक्चरर्स (SIAM) के 66वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए घोषणा की है कि सरकार भारत NCAP (BNCAP) के दूसरे चरण की तैयारी कर रही है।

नया भारत NCAP 2.0 प्रोग्राम अक्टूबर 2027 से लागू होगा। इसमें व्हीकल असेसमेंट प्रोग्राम का दायरा बढ़ाया जाएगा। नए चरण में केवल इस बात का ध्यान नहीं दिया जाएगा कि हादसे के समय गाड़ी के अंदर बैठे यात्री कितने सुरक्षित हैं, बल्कि पैदल यात्रियों की सुरक्षा सहित अन्य बातों पर भी ध्यान दिया जाएगा। आइए आपको BNCAP 2.0 तहत प्रस्तावित नए नियमों क़ैश टेस्ट और 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग के पैमानों के बारे में बताते हैं।

वाहनके लिए चरम, समीक्षा और तुलना



की सुरक्षा।

– हादसे के बाद राहत कार्य (Post-Crash Evacuation and Care)– दुर्घटना के बाद गाड़ी से यात्रियों को निकलने और आपातकालीन सुरक्षा सहायता की सुविधा।

– सुझाव– नितिन गडकरी ने ऑटोमोबाइल कंपनियों को इस सुरक्षा कार्यक्रम को और बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव देने का आमंत्रण किया है।

100 पॉइंट्स का नया स्ट्रक्चर

– दरअसल, नवंबर 2025 में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने AIS-197 (रिवीजन1) के जरिए भारत NCAP के अगले चरण के लिए नियमों का प्रस्ताव रखा था। इसका मुख्य उद्देश्य कार सेफ्टी टेस्टिंग प्रोग्राम को ज्यादा विस्तृत और सख्त बना दिया था। इस प्रस्तावित

सिस्टम के जरिए कारों को 5 क्षेत्रों के आधार पर 100 में स अंक दिए जाएंगे। राजनीति

– क़ैश प्रोटेशन के लिए 55 पॉइंट्स। पैदल यात्रियों और सड़क उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए 20 पॉइंट। सेफ़्टाइविंग फ़ीचर्स के लिए 10 पॉइंट्स। हादसे से बचाने वाले तकनीक के लिए 10 पॉइंट और हादसे के बाद की सुरक्षा के लिए 5 पॉइंट्स का प्रावधान है।

5 स्टार रेटिंग पाना काफी मुश्किल

– 2027 से नियम: दरअसल, 2027 से किसी भी कार को 5-स्टार रेटिंग हासिल करने के लिए 100 में से कम से कम 70 अंक लाने अनिवार्य है।

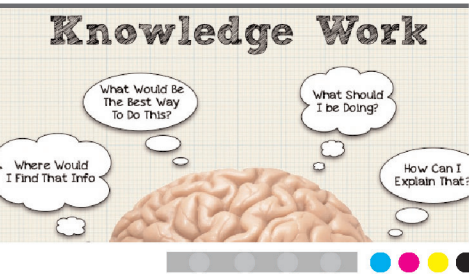
– 2029 से नियम– वहीं 2029 से न्यूनतम स्कोर बढ़ाकर 80 अंक कर दिया जाएगा।

– अनिवार्य फ़ीचर्स– कार को स्टार रेटिंग पाने योग्य बनने के लिए उसमें कर्टेन एयरबैग और इलेक्ट्रॉनिक स्टैबिलिटी कंट्रोल (थ्रस्ट) स्टैडर्ड के तौर पर यानी शुरुआती वैरिएंट से होने जरूरी है।

नए और कड़े क़ैश टेस्ट

– आपको बताते चलें कि, 50 kph फुल-विडथ फ़्रंट क़ैश टेस्ट पूरी चौड़ाई से समाने की टक्कर का टेस्ट है। वाहनऔर यातायात सुरक्षा – तिखे खंभे से टक्कर का टेस्ट 32 kph ऑब्लिक पोल इम्पैक्ट टेस्ट है। इसकी स्पीड 29 kph से बढ़ाकर 32kph की गई है।

– 50 kph रियर-इम्पैक्ट टेस्ट, पीछे से होने वाली टक्कर का टेस्ट





आज के समय में खराब खानपान और अनहेल्दी लाइफ़स्टाइल के चलते कई गंभीर बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ रहा है। मोटापा, डायबिटीज और हार्ट डिजीज के साथ-साथ हाई कोलेस्ट्रॉल अब एक आम समस्या बनती जा रही है।

फ़िज़िकल एक्टिविटी की कमी, गलत खानपान और अत्यधिक तनाव के कारण शरीर में बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) का स्तर बढ़ जाता है, जिसका सीधा असर ब्लड सर्कुलेशन, दिल और लिवर पर पड़ता है। अगर समय रहते इस समस्या पर ध्यान न दिया जाए, तो यह भविष्य में गंभीर बीमारियों की वजह बन सकती है। हालांकि, लाइफ़स्टाइल सुधार के साथ एक देसी ड्रिंक को रोज़ाना रूटीन

जायका

नाश्ते में कुछ हेल्दी और चटपटा खाना चाहते हैं तो जरूर ट्राई करें ये खास रेसिपी

पार्टी हो या फ़िर् स्नेक्स टाइम, पनीर हमेशा से ही लोगों का फेवरेट इंग्रेडिएंट रहा है। पनीर की सब्जी हो या फ़िर् पनीर टिक्का, पनीर से बनी डिशेंस सभी लोगों की फेवरेट होती हैं। आज हम आपके लिए लेकर आए हैं एक खास डिश जिसका नाम हैं पनीर काठी रोल- ये डिश टेस्टी होने के साथ-साथ बेहद हेल्दी भी हैं। इसके अलावा इस डिश को आप अपने बच्चों को लंचबॉक्स के लिए भी दे सकते हैं क्योंकि हमारी बताई रेसिपी से इस डिश को आप आसानी से बहुत कम समय में तैयार कर सकते हैं।

इंग्रेडिएंट्स-
मैदा – 1- कप
आटा – ½ कप
तेल – 1 बड़ा चम्मच
पानी – आवश्यकता अनुसार
मक्खन – चखने के लिए
तेल – 3 बड़े चम्मच
जीरा – 1 चम्मच
धनिया के बीज – 2 चम्मच
अदरक
लहसुन कटा हुआ – 1 चम्मच
हरी मिर्च
मक्खन – 1 बड़ा चम्मच
हल्दी – ढ़ु छोटा चम्मच
मिर्च पाउडर – 1 छोटा चम्मच
धनिया पाउडर – 1 बड़ा चम्मच
टमाटर प्यूरी – 1 कप
नमक, प्याज़ कटा हुआ – ½ कप

होंठों को मुलायम और हाइड्रेटेड रखने के लिए घर पर बनाये चुकंदर का स्क्रब

अक्सर बदलते मौसम में डिहाइड्रेशन, धूप में अधिक निकलना और लिपिस्टिक के कारण होंठ रुखे और पट्टने लगते हैं। खासतौर पर होंठों की डेड स्किन को बाहर हटाने, उन्हें सॉफ्ट और हेल्दी बनाने में लिप स्क्रब मदद कर सकता है। कई महिलाएं बाजार से लिप स्क्रब खरीदती हैं, हालांकि महंगे लिप स्क्रब भी होंठों को सही हाइड्रेशन नहीं दे पाते हैं और यह कई बार नुकसान भी पहुंचाता है। इसलिए अब आप घर पर आसानी से लिप स्क्रब बना सकती हैं। चुकंदर और शहद से बनने वाला ये स्क्रब होंठों को मुलायम बनाएगा।

होंठ को सॉफ्ट बनाने के लिए बनाएं चुकंदर और शहद का लिप स्क्रब – गौरतलब है कि चुकंदर और शहद का लिप स्क्रब होंठों को प्राकृतिक रूप से गुलाबी और मुलायम बनाने में मदद करता है। वैसे यह एक बेहतरीन घरेलू नुस्खा है। क्योंकि ये होंठों की डेड सेल्स को रिमूव करता है, कालापन को दूर करता है। विटामिन-सी और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर ये स्क्रब होंठों को हाइड्रेटेड और कोमल बनाए रखता है।

– चकुंदर में नेचुरल रूप से एंटी-ऑक्सीडेंट्स होते हैं, वहीं शहद एक नेचुरल मॉइश्चराइजर है। इन दोनों का कॉम्बिनेशन होंठों के लिए फ़यदेमंद है।

हाई कोलेस्ट्रॉल से बढ़ता दिल का खतरा, देसी ड्रिंक से मिल सकती है राहत

में शामिल कर बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिल सकती है।

ऐसे बनाएं देसी ड्रिंक
गुनगुना पानी – 1 लीटर
दालचीनी – 1 इंच का टुकड़ा
नींबू – आधा कटा हुआ
अदरक – 2 स्लाइस
इन सभी चीजों को मिलाकर सुबह खाली पेट सेवन करें।
दालचीनी के फ़ायदे

दालचीनी बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में सहायक मानी जाती है। यह शरीर में फैट मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाती है और दिल की सेहत को मजबूत रखने में मदद करती है। नियमित सेवन से हार्ट हेल्थ को लाभ मिल सकता है।



नींबू का असर

नींबू लिवर हेल्थ के लिए फ़यदेमंद होता है। लिवर ही शरीर में कोलेस्ट्रॉल को प्रोसेस करता है। नींबू पानी पीने से लिवर एक्टिव रहता है और शरीर में जमा अतिरिक्त फैट व बैड



कोलेस्ट्रॉल बाहर निकालने में मदद मिलती है।

अदरक की भूमिका

अदरक ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करता है। जब रक्त प्रवाह सही रहता है, तो धमनियों में कोलेस्ट्रॉल जमा होने की संभावना कम हो जाती है। इसके साथ ही यह पाचन तंत्र को भी मजबूत

बनाता है।

गुनगुने पानी के फ़ायदे

रोजाना सुबह गुनगुना पानी पीने से डाइजैस्टिव सिस्टम एक्टिव रहता है। बेहतर पाचन से शरीर में फैट जमा होने की संभावना कम होती है, जिससे कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल में रखने में मदद मिलती है।

पीने का सही तरीका

इस ड्रिंक को एक बार में या दिनभर में थोड़ा-थोड़ा सिप लेकर भी पिया जा सकता है। इसे लगातार एक से डेढ़ महीने तक सेवन किया जा सकता है।

डिस्क्लेमर:यह लेख सामान्य जानकारी के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसे किसी भी तरह से डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह न मानें। यदि आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं या लक्षण नज़र आ रहे हैं, तो उपचार से पहले डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

सिर्फ सुखद अनुभव ही नहीं, मां- बाप के साथ गले लगाकर सोने से स्मार्ट और मजबूत भी बनता है बच्चा

जब आप अपने फ़ोन की ओर हाथ बढ़ाएं, तो इससे पहले अपने बच्चे को कम से कम 20 सेकंड के लिए गले लगाने की कोशिश करें। क्योंकि हर दिन अपने बच्चे को गले लगाने के लिए समय निकालना आपको और आपके बच्चे को बहुत सारे लाभ प्रदान कर सकता है। बच्चे को गले लगाकर सुलाना न केवल उनके लिए, बल्कि माता-पिता के लिए भी एक सुखद अनुभव होता है। संबंध होता है मजबूत। त्वचा का संपर्क या शारीरिक स्पर्श, जैसे गले लगाना और पकड़ना, आपके बच्चे को स्वस्थ मस्तिष्क और मजबूत शरीर विकसित करने में मदद करने के बेहतरीन तरीके हैं। चिकित्सकों ने पाया है कि जब बच्चों को शारीरिक संपर्क नहीं मिलता है, तो उनका शारीरिक विकास धीमा हो सकता है।गले लगाकर सोने से माता-पिता और बच्चे के बीच का संबंध मजबूत होता है और बच्चे को सुरक्षा और प्यार का अहसास होता है। चलिए जानते हैं इसके और भी फ़यदे।

भावनात्मक सुरक्षा

जब बच्चे को गले लगाकर सुलाया जाता है, तो उसे सुरक्षा और स्नेह का अहसास होता है। इससे बच्चे को यह भरोसा मिलता है कि वे सुरक्षित और संरक्षित हैं, जिससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है। गले लगाकर सोने से माता-पिता और बच्चे के बीच गहरा भावनात्मक संबंध बनता है। यह संबंध बच्चे के मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए महत्वपूर्ण है और जीवनभर के लिए स्थाई रहता है।

तनाव और चिंता में कमी

शारीरिक स्पर्श, जैसे कि गले लगाना, बच्चे के शरीर में ऑक्सीटोसिन

हार्मोन का साव बढ़ाता है, जिसे "लव हार्मोन" भी कहा जाता है। इससे बच्चे को तनाव और चिंता में कमी महसूस होती है और वह आराम से सो सकता है।

नींद की गुणवत्ता में सुधार

बच्चे को गले लगाकर सुलाने से उसकी नींद की गुणवत्ता में सुधार होता है। उसे अधिक आरामदायक और गहरी नींद मिलती है, जिससे वह शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। गले लगाकर सोने से बच्चे के हृदय की धड़कन स्थिर रहती है, और उसकी धास सामान्य होती है। इससे शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है और बीमारियों का खतरा कम होता है।

अच्छी आदतों का विकास

– जब बच्चे को नियमित रूप से गले लगाकर सुलाया जाता है, तो यह उसकी दिनचर्या का हिस्सा बन जाता है। इससे बच्चे में नियमितता और अनुशासन की भावना विकसित होती है। भावनात्मक सुरक्षा और स्थिरता बच्चे के मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इससे वह नए कोशल और ज्ञान को अधिक तेजी से सीख सकता है और आत्मविश्वास के साथ दुनिया का सामना कर सकता है।

समाजिक विकास

जब बच्चे को गले लगाकर सोने की आदत डाली जाती है, तो वह दूसरों के प्रति भी संवेदनशील और प्यार भरा व्यवहार दिखाता है। यह उसके समाजिक विकास में सहायक होता है और वह दूसरों के साथ बेहतर संबंध बना पाता है। गले लगाकर सोने से बच्चे के लिए सकारात्मक और स्वस्थ रिश्तों का आधार बनता है। वह समझता है कि स्नेह और प्यार से भरे रिश्ते कितने महत्वपूर्ण होते हैं, जो उसे भविष्य में भी अच्छे संबंध बनाने में मदद करता है।

नमक के डिब्बे में रखें यह खास चीज़, घर में बनी रहेगी सकारात्मकता एवं सुख और समृद्धि

भारतीय वास्तु शास्त्र और मान्यता के अनुसार, नमक के डिब्बे में एक खास चीज़ डालकर परिवार की सुख-समृद्धि में वृद्धि की जा सकती है। यह उपाय न केवल आपके घर में धन-धान्य की कमी को दूर कर सकता है, बल्कि जीवन में सकारात्मकता भी ला सकता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, नमक के डिब्बे में लौंग डालने से घर में सुख-समृद्धि आती है। लौंग को नमक के डिब्बे में डालकर उसे हमेशा भरकर रखना चाहिए। लौंग के अद्वितीय गुणों के कारण इसे वास्तु और धार्मिक मान्यताओं में विशेष महत्व दिया जाता है।

जानिए इस विशेष उपाय के बारे में विस्तार से।

धन-संपत्ति में वृद्धि

लौंग को नमक के डिब्बे में रखने से घर में लक्ष्मी माता का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे धन-धान्य की कमी दूर होती है।



सुख और शांति

लौंग का उपयोग घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है, जिससे परिवार में सुख और शांति बनी रहती है।

आर्थिक समृद्धि

इस उपाय से आर्थिक समस्याओं का समाधान होता है और व्यवसाय में भी सफलता मिलती है।

वास्तु उपायों में लौंग का महत्व

वास्तु शास्त्र के अनुसार, लौंग का उपयोग घर में सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखने के लिए किया जाता है। लौंग में मौजूद प्राकृतिक गुण घर में नकारात्मक ऊर्जा को नष्ट करते हैं और सकारात्मकता का प्रवाह बढ़ाते हैं।

इंफ़ल एयरपोर्ट पर उतरते ही खुला आसमान और हवा की ताज़गी आपको मोह लेगी। मणिपुर शैली की हरी छत्तों वाला यह छोटा लेकिन बेहद खूबसूरत हवाई अड्डा इतना सहज है कि विमान से उतरने के बाद पैदल भवन में एंटर किया जा सकता है। महानगरों की भागदौड़ से दूर बसा इंफ़ल शहर अपनी प्राकृतिक और सांस्कृतिक छटा के लिए जाना जाता है। जहां एक तरफ़ युवा आधुनिक लिबास में नज़र आते हैं। वहीं अधिकतर महिलाएं ब्लाउज, फ़ेक और महीन दुपट्टे जैसे पारंपरिक आउटफ़िट में दिखाई देती हैं। नाक से माथे तक लगा चंदन का लंबा टीका उन महिलाओं की सुंदरता में चार चांद लगा देता है।
इमा मार्केट
यह समाज में स्त्रियों की भागीदारी का प्रतीक है। शहर के बीचो-बीच इमा मार्केट स्थित है। इमा यानी मां। माताओं द्वारा चलाए जाने वाला मार्केट। इस मार्केट में सिर्फ़ स्त्रियों द्वारा चलाई जाने वाली दुकानें हैं।

पारंपरिक परिधानों की दुकानें जैसे ब्लाउज, फ़ेक, दुपट्टे, शॉल, चादर, गमछे और अन्य कई तरह की चीज़ें शामिल हैं। वहीं एक हिस्से सिर्फ़ पूजा का सामान है।
कांगला किला की सैर
इसके अलावा इंफ़ल में आपको दो जगहें और देखनी चाहिए। जिनमें पहला कांगला किला और दूसरा लोकताल लेक है। कांगला फ़र्ट शहर के बीच इंफ़ल नदी के किनारे है। मेटेई भाषा में कांगला का अर्थ होता है जमीन का मुख्य भाग। मेटेई वर्तमान मणिपुर का मूल नाम है। मणिपुरी भाषा भी भारत की 22 ऑफ़िशियल भाषाओं की लिस्ट में से एक है। कांगला फ़र्ट यहां के राजवंश के शासकों की राजधानी हुआ करता था। आज भी मणिपुर के निवासियों की ए एक गौरवपूर्ण ऐतिहासिक स्थल है। इसके मुख्य द्वार पर सिंह की आकृति की दो मूर्तियां लगी हैं। जिनको देवताओं का देव कहा जाता है। यहां पर घूमने के लिए गोल्फ़कार्ड की सुविधा मौजूद थी।

लेकिन हमने पैदल घूमने का फैसला किया। इसके अंदर कई संग्रहालय हैं।
कांगला संग्रहालय
यहां प्राचीन शासकों से संबंधित वस्तुएं और इसका इतिहास देख सकते हैं।
बोट म्यूजियम
यहां पर प्राचीन शासकों की नावें और उनसे संबंधित जानकारी देखने को मिलेगी।
पुरातत्व संग्रहालय
पुरातत्व संग्रहालय को देखने से हमें मणिपुर के इतिहास के बारे में गहराई से जानकारी मिलती है।
सानामाही मंदिर और पखंबा मंदिर
सबसे सुंदर सानामाही मंदिर और पखंबा मंदिर लगे। सानामाही मेटेई वास्तुकला का उदाहरण है। इस मंदिर के ऊपर सींगों की आकृति बनी हुई है।



जिसको मेटेई लोग शुभ और पवित्र मानते हैं। यहां पर कई और दर्शनीय स्थल हैं। जैसे – महाराजा नरसिंह की घोड़े पर सवार मूर्ति और राजा बोधचंद्र की समाधि है। राजाओं का महल और पोलो ग्राउंड भी इस फ़र्ट में है। महाराजा

नरसिंह द्वारा श्री गोविंद जी मंदिर का निर्माण कराया गया है। यह इंफ़ल के प्रमुख दर्शनीय स्थलों में से एक है।
जरूरी बातें
ट्रेन से इंफ़ल पहुंचने के लिए आपको दीमापुर या गुवाहाटी जाना होगा। यहां से आप इंफ़ल के लिए



बस ले सकते हैं। इसके अलावा देश के सभी प्रमुख शहरों से फ़्लाइट द्वारा भी यहां पर आप सीधे पहुंच सकते हैं।
यहां पर जाने के लिए सितंबर से अप्रैल का समय सबसे अच्छा है। क्योंकि इस दौरान मौसम काफी सुहावना होता है।
मणिपुर राज्य में यात्रा करने के लिए भारतीय नागरिकों को राज्य सरकार से इनर लाइन परमिट लेना जरूरी है। हालांकि यह सुविधा अब ऑनलाइन भी है। मणिपुर सरकार के ऑफ़िशियल पोर्टल पर जाकर इसके लिए आवेदन कर सकते हैं।
इसके अलावा दिल्ली, कोलकाता और गुवाहाटी स्थित मणिपुर भवन से भी इसको प्राप्त किया जा सकता है। यह सुविधा इंफ़ल एयरपोर्ट पर भी मौजूद है। इसके लिए पासपोर्ट या आधार कार्ड की प्रति जरूरी है। इसका शुल्क 100 रुपए है। विदेशी नागरिकों के लिए प्रॉटेक्टेड एरिया परमिट की जरूरत होती है।

पूरब टाइम्स

जिसे सब छुपाते हैं उसे हम छापते हैं...

वर्ष 15, अंक - 61 RNI/CHHBIL/44259 छत्तीसगढ़ से प्रसारित नं.-1 लोकल दैनिक अखबार

COMPU WORLD
The Complete Computer Shop

CONTACT US:-
Phone : 0788-4060844, 4083358
Cell No. : 9300226476, 9186157570, 9826169140
Email : revikidukan@gmail.com
16/21, Dakshin Gangotri, Circus Ground Road, Supela (C.G.)
154-156, Akash Ganga, Supela, Bhillai (C.G.)

संक्षिप्त समाचार

पोरा तिहार पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ के वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने प्रदेश के पारंपरिक एवं लोक आस्था के प्रमुख पर्व पोरा तिहार के अवसर पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि पोरा तिहार छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति, कृषि परंपरा और ग्रामीण जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण पर्व है। यह पर्व हमारी माटी, खेती-किसानी और पशुधन के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता की भावना को प्रकट करता है।



उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोकपर्व हमारी सांस्कृतिक पहचान और गौरव हैं। पोरा तिहार के माध्यम से हमारी परंपराएं, लोकमान्यताएं और संस्कार एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचते हैं। यह पर्व समाज में आपसी प्रेम, भाईचारे और सद्भाव को मजबूत करने का संदेश भी देता है। श्री ओपी चौधरी ने कामना की कि पोरा तिहार प्रदेश के सभी परिवारों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। किसानों के खेतों में भरपूर फसल हो और छत्तीसगढ़ निरंतर विकास एवं समृद्धि की दिशा में आगे बढ़े।

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को मिला ए ग्रेड

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका से आज लोक भवन में इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने सौजन्य भेंट की। कुलपति डॉ. चंदेल ने राज्यपाल को अवगत कराया कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कृषि शिक्षा अधिमान्यता बोर्ड द्वारा इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय को 'ए' ग्रेड प्रदान किया गया है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न महाविद्यालयों एवं शिक्षण कार्यक्रमों को भी अधिमान्यता प्रदान की गई है। राज्यपाल श्री डेका ने इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं।



नशे से दूर रहकर युवा अपनी ऊर्जा राष्ट्र निर्माण में लगाएं - राज्यपाल श्री डेका

नशा मुक्त युवा-विकसित भारत संकल्प अभियान का विश्वविद्यालय में समापन रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में 'नशा मुक्त युवा-विकसित भारत' संकल्प अभियान के अंतर्गत विगत एक माह से आयोजित विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आज समापन हुआ। कार्यक्रम में कुलाधिपति एवं राज्यपाल रमेन डेका मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि भारत युवाओं का देश है। किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा पीढ़ी होती है। युवा देश का भविष्य ही नहीं, बल्कि वर्तमान की भी महत्वपूर्ण शक्ति हैं। उनके विचार, संकल्प और सपने राष्ट्र की दिशा तय करते हैं। इसलिए युवा शक्ति को नशे जैसी बुराईयों से बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2 अगस्त 2026 को युवाओं को नशामुक्त बनाने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के उद्देश्य से इस महाअभियान की शुरुआत की है। नशे के विरुद्ध लड़ाई केवल सरकार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की साझा



जिम्मेदारी है। आज पारंपरिक नशे के साथ सूखे नशे का चलन भी बढ़ रहा है, जो युवाओं के स्वास्थ्य और भविष्य के लिए गंभीर चुनौती है।

राज्यपाल ने कहा कि नशा व्यक्ति की सही और गलत में अंतर करने की क्षमता को प्रभावित करता है। नशे की

गिरफ्त में आए व्यक्ति को दोषी मानने के बजाय उसके प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाते हुए काउंसलिंग और आवश्यकता पड़ने पर उपचार उपलब्ध कराना चाहिए। अधिक नशे से मनोवैज्ञानिक समस्याएं भी उत्पन्न हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में मानसिक स्वास्थ्य एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आया है।

श्री डेका ने कहा कि नशे से किसी समस्या का समाधान नहीं होता। जीवन में परीक्षा का दबाव, करियर की चिंता, असफलता का भय और अपेक्षाओं का बोझ जैसी परिस्थितियां आती रहती हैं। इनसे बचने के लिए नशे का सहारा लेना समाधान नहीं है। समस्या से भागना समाधान नहीं, बल्कि उसका सामना करना ही वास्तविक साहस है। उन्होंने युवाओं से अनुशासन, समय की पाबंदी और नियमित अध्ययन को जीवन का हिस्सा बनाने का

आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पढ़ने की आदत से ज्ञान के साथ-साथ विभिन्न विषयों के प्रति जागरूकता भी बढ़ती है। राज्यपाल ने डिजिटल एडिक्शन को भी गंभीर चुनौती बताते हुए युवाओं से डिजिटल माध्यमों का संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता हर्तफुलनेस आश्रम, हैदराबाद के संचालक जिलोचन चावला ने नशा मुक्ति के मनोवैज्ञानिक पहलुओं पर विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को नशा मुक्त भारत अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने की शपथ भी दिलाई। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सचिदानंद शुक्ला ने स्वागत भाषण दिया।

उन्होंने बताया कि अभियान को सफल बनाने में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और माय भारत वॉलंटियर्स की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अभियान के दौरान आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को राज्यपाल ने सम्मानित किया। राष्ट्रीय शिक्षा पुरस्कार से सम्मानित वरिष्ठ प्रोफेसर राजीव चौधरी को भी राज्यपाल ने सम्मानित किया।

शासन की सब्सिडी सुविधा का लाभ लेकर घर की छत पर लगवाए सोलर पैनल

बिजली बिल में राहत के साथ पर्यावरण संरक्षण की ओर बढ़ाया कदम

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में आमजनों को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ने तथा बिजली के खर्च में राहत देने के उद्देश्य से संचालित पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ जिले के नागरिकों को मिल रहा है। योजना के माध्यम से परिवार अपने घरों की छत पर सोलर पैनल लगाकर सौर ऊर्जा का उपयोग कर रहे हैं और बिजली बिल में राहत प्राप्त कर रहे हैं। ग्राम दशरमा निवासी तारणी घुलवहरे ने भी इस योजना का लाभ लेते हुए अपने घर की छत



पर सोलर पैनल इंस्टॉल करवाया है। केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी सुविधा का लाभ लेकर उन्होंने सौर ऊर्जा को अपनाने का निर्णय लिया।

तारणी ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि पहले उनके घर का बिजली बिल काफी अधिक आता था। इसी वजह से उन्होंने पीएम सूर्यघर योजना के बारे में जानकारी लेकर घर पर सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया। अब सौर ऊर्जा का उपयोग करने से उन्हें बिजली बिल के खर्च में राहत मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि सोलर पैनल लगवाने के बाद उन्हें बहुत अच्छा लगा रहा है। यह आर्थिक बचत के साथ पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण कदम है।

उन्होंने सभी से अपील करते हुए कहा, "आप सभी भी अपने घरों पर सोलर पैनल अवश्य लगवाएं और बिजली बिल में राहत का लाभ उठाएं। सौर ऊर्जा को अपनाकर हमारे परिवार के साथ-साथ पर्यावरण के लिए भी बेहतर है।"

विष्णु भैया का संबल, एनीमा खलखो की बचत से संवर रहा बच्चे का भविष्य

महतारी वंदन योजना से हर माह मिल रहे 1,000 रुपये, घरेलू जरूरतों के साथ बच्चे की पढ़ाई और पोषण में आ रही काम रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु



की जा रही है। नियमित रूप से मिलने वाली यह राशि महिलाओं को अपनी घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ परिवार के भविष्य लिए बेहतर निर्णय लेने में भी सक्षम बना रही है। जशपुर जिले के ग्राम पुरनानगर निवासी एनीमा खलखो महतारी वंदन योजना की लाभार्थी हैं। योजना के तहत मिलने वाली राशि उनके परिवार के लिए काफी मददगार साबित हो रही है।

मुख्यमंत्री की संवेदनशील पहल- शशिकांत को एम्स रायपुर में कराया भर्ती

4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

मुख्यमंत्री ने शशिकांत से दूरभाष पर बातचीत कर उनके स्वास्थ्य की ली जानकारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल से धमतरी जिले के ग्राम देवपुर निवासी 29 वर्षीय शशिकांत भरत को बेहतर इलाज की नई उम्मीद मिली है। सोशल मीडिया के माध्यम से शशिकांत की गंभीर स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री ने तुरंत संज्ञान लिया और उनसे दूरभाष पर बात कर कुशलक्षेम जाना।



मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शशिकांत को 9 सितंबर की शाम अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), रायपुर में भर्ती कराया, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों की

देखरेख में उनका इलाज जारी है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने उनके उपचार के लिए 4 लाख रुपये की सहायता राशि भी स्वीकृत की है।

2016 में हुए हादसे के बाद से प्रभावित है स्वास्थ्य वर्ष 2016 में एक सड़क दुर्घटना के दौरान शशिकांत को गंभीर चोटें आई थीं, जिसके कारण वे करीब 50 दिनों तक कोमा में रहे। दुर्घटना में सर्वाइकल की समस्या उत्पन्न होने से उनके हाथ-पांव की कार्यक्षमता प्रभावित हो गई थी। लंबे समय तक

विभिन्न अस्पतालों में इलाज कराने के बावजूद स्थिति में सुधार नहीं हो पाया था।

शशिकांत ने जताया आभार

मुख्यमंत्री से बातचीत और तुरंत मिली चिकित्सकीय सहायता के बाद शशिकांत ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा स्वयं फोन कर हाल-चाल पूछना और एम्स में इलाज के साथ 4 लाख रुपये की सहायता देना उनके और उनके परिवार के लिए बहुत बड़ा संबल है।

सेवा संकल्प अभियान को लेकर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जशपुर के जनप्रतिनिधियों से की वर्चुअल बैठक

रायपुर। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अपने प्रभार जिले जशपुर के जनप्रतिनिधियों के साथ वर्चुअल माध्यम से जुड़कर 'सेवा संकल्प अभियान' की तैयारियों को लेकर बैठक में सहभागिता की। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले इस एक माह के अभियान के तहत जिले में प्रस्तावित विभिन्न कार्यक्रमों एवं गतिविधियों की रूपरेखा पर चर्चा की गई।



वित्त मंत्री श्री ओपी चौधरी ने कहा कि "25 वर्षों में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा जनसेवा, नेतृत्व और भारत की क्षमता में अटूट विश्वास की कहानी है।" उनके जनसेवा के 25 वर्षों की इस प्रेरणादायी यात्रा को जमाने के लिए उन्होंने आभार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मविश्वास के साथ विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार करने में युवाओं, जनप्रतिनिधियों और समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है।

बैठक में जशपुर जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों, जनभागीदारी बढ़ाने, विभिन्न सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों तथा अभियान को प्रभावी और व्यापक स्वरूप देने को लेकर चर्चा की गई।

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर छत्तीसगढ़ में शुरू हुआ 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पोषण, स्वास्थ्य और बाल विकास को जनभागीदारी से मिलेगा नया संबल : मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में बच्चों, माताओं एवं महिलाओं के पोषण स्तर में सुधार तथा समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 9वां राष्ट्रीय पोषण माह-2026 पूरे प्रदेश में शुरू हो गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 के अंतर्गत आयोजित इस राज्यव्यापी अभियान की इस वर्ष की थीम 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' है। अभियान के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों को पोषण, स्वास्थ्य, देखभाल एवं प्रारंभिक बाल्यावस्था विकास के सशक्त केंद्र के रूप में विकसित करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।



महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार बच्चों और माताओं के पोषण एवं स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। राष्ट्रीय पोषण माह केवल जागरूकता का अभियान नहीं, बल्कि पोषण को जनआंदोलन बनाने का अवसर है। 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' की भावना के साथ परिवार, समुदाय और जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से आंगनवाड़ी केंद्रों को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। स्थानीय खाद्य पदार्थों से पोषिक आहार का होगा प्रदर्शन पोषण माह के दौरान प्रदेश के आंगनवाड़ी केंद्रों में स्थानीय एवं कम लागत वाली खाद्य सामग्री से पोषिक

व्यंजन तैयार करने का प्रदर्शन किया जाएगा। पोषण मेलों के माध्यम से मिलेट्स, मौसमी फल-सब्जियां, दालें, दुग्ध उत्पाद, मेवे एवं विभिन्न प्रकार के बीजों के पोषण संबंधी महत्व की जानकारी दी जाएगी। 'प्रोटीन रिच फूड' अभियान के माध्यम से परिवारों को दैनिक भोजन में प्राकृतिक एवं किफायती प्रोटीन स्रोतों को शामिल करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। गर्म पके भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता पर विशेष निगरानी-आंगनवाड़ी केंद्रों में 3 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को दिए जाने वाले गर्म पके भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं विविधता पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। नाश्ते एवं गर्म भोजन का साप्ताहिक मेन्यू बोर्ड केंद्रों में प्रदर्शित किया जाएगा। भोजन की तैयारी एवं वितरण में पारदर्शिता तथा सामुदायिक निगरानी के लिए अभिभावकों, पंचायत प्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों एवं मातृ समितियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

रायपुर पुलिस में बड़ा फेरबदल, 7 निरीक्षकों का तबादला

रायपुर पुलिस कमिश्नरेंट रायपुर में प्रशासनिक स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने 7 निरीक्षकों के तबादले का आदेश जारी किया है। सभी अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक नई पदस्थापना पर अस्थायी रूप से जिम्मेदारी सौंपी गई है। तबादला आदेश के बाद शहर के कई महत्वपूर्ण थानों की कमान नए निरीक्षकों को दी गई है। इनमें आजाद चौक, टिकरापाड़ा, महिला थाना और गोलबाजार शामिल हैं।



राजेश कुमार सिंह बने टिकरापाड़ा थाना प्रभारी-आदेश के मुताबिक निरीक्षक राजेश कुमार सिंह को आजाद चौक थाना

प्रभारी के पद से हटाकर टिकरापाड़ा थाना प्रभारी बनाया गया है। वहीं निरीक्षक राजेश कुमार मराई को टिकरापाड़ा थाना प्रभारी की जिम्मेदारी से हटाकर रक्षित

आरक्षी केंद्र भेजा गया है। महिला थाना और आजाद चौक की जिम्मेदारी बदली-निरीक्षक अर्चना धुरंधर को प्रभारी महिला थाना के पद से हटाकर आजाद चौक थाना प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। इसके साथ ही निरीक्षक राजेश मौर्य को रक्षित आरक्षी केंद्र से हटाकर प्रभारी महिला थाना बनाया गया है। तबादला आदेश के तहत निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू को प्रभारी जिलाशे से हटाकर थाना प्रभारी गोलबाजार बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ में बढ़ेगा बसों का किराया! 1.75 रुपये प्रति किमी बढ़ोतरी को मंजूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बस से सफर करने वाले यात्रियों की जेब पर जल्द ही अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। यात्री किराया बढ़ाने की मांग को लेकर बस मालिकों ने परिवहन मंत्री केदार कश्यप से मुलाकात की। बस मालिकों की मांग पर मंत्री ने 1.75 रुपये प्रति किलोमीटर किराया बढ़ाने की मांग को मंजूरी दे दी है। परिवहन मंत्री ने बस मालिकों को आश्वासन दिया है कि किराया बढ़ोतरी के प्रस्ताव को आगामी कैबिनेट बैठक में रखा जाएगा, जहां इसे अंतिम मंजूरी मिल सकती है।



2021 के बाद नही बढ़ा बस किराया बस ऑनर्स फेडरेशन ऑफ छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष अनिल पुसदकर और महासचिव भावेश दुबे ने बताया कि छत्तीसगढ़ में बसों का यात्री किराया आखिरी बार वर्ष 2021 में बढ़ाया गया था। इसके बाद डील की कीमतों में कई बार बढ़ोतरी हुई, लेकिन यात्री किराए में संशोधन नहीं किया गया। बस संचालकों का कहना है कि बढ़ती परिचालन लागत के चलते प्रदेश के करीब 3500 बस मालिकों को लगातार आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने परिवहन मंत्री द्वारा किराया बढ़ाने की मांग को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। 22 सितंबर से बस सेवा बंद करने की दी थी चेतावनी बस मालिकों की ओर से यात्री किराए के अलावा कई अन्य मांगों भी उठाई जा रही हैं। छत्तीसगढ़

यातायात महासंघ ने हाल ही में 9 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन किया था। महासंघ ने मांगें पूरी नहीं होने पर 22 सितंबर से बस सेवा बंद करने की चेतावनी भी दी थी। अब किराया बढ़ाने की मांग को मंजूरी मिलने के बाद बस संचालकों को आगामी कैबिनेट बैठक से अंतिम फैसले की उम्मीद है।

बस मालिकों की प्रमुख मांगें बस संचालकों ने यात्री किराया बढ़ाने के साथ कई अन्य मांगें भी सरकार के सामने रखी हैं। इनमें प्रमुख रूप से— यात्री बस किराए में बढ़ोतरी की जाए। बसों में सिंगल स्लीपर का सिंगल टैक्स लिया जाए। ई-बसों को शहर की सीमा के भीतर चलाने की अनुमति दी जाए। ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट वाली बसों के ग्रामीण क्षेत्रों और बस स्टैंड से संचालन पर रोक लगाई जाए।

A Complete Family Garden Restaurant
Dhillon Chicken
Indian Chinese Tandoor
Garden Lawn Family Restaurant, Separate Family A.C. Room
FREE Home Delivery With in 3 K.M. 9788-4011914
VEG & NON-VEG
•Marriage & Birthday Party
•Party Catering •Party Lawn
•Door to Door Catering
New Opening at **Chopati Civic Centre Bhillai**
Near Chandulal Chandrakar Hospital, **Nehru Nagar Chowk, Bhillai (C.G.)**
Mob: 9302401912, 9301999211
Ph: 0788-4011912